एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

मृदा नमूना लेने की विधि तथा रखी जाने वाली सावधानिया

(*नरेन्द्र कुमार चौधरी एवं जितेन्द्र कुमार)
विद्यावाचस्पति छात्र, प्रसार शिक्षा विभाग, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
* mrnarendra.choudhary@gmail.com

मृदा नमूना लेने का उचित समय

- ✓ खरीफ, रबी एवं जायद फसलों के बुवाई के कम से कम एक महिने पूर्व खेत खाली होने परमृदा नमूना लिया जाता है, ताकि बुवाई से पुर्व मृदा नमुने का परिणाम आ सके।
- ✓ यदि खडी फसल से नमूना लेना हो तो फसल कि कतारो के बिच से लिया जाता हे।

मृदा परीक्षण हेतु मिट्टी का नमूना लेना:-

मृदा नमूना ठीक प्रकार से लेना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योकि यह भूमि के एक बड़े भाग का प्रतिनिधि नमूना होता हैं।जिसका परीक्षण करके उवर्रकों का निर्धारण किया जाता हैं। मृदा परीक्षण के लिए आधा किलोग्राम (खेत के विभिन्न भागों से एकत्रित) मृदा नमूना एकत्र किया जाता हैं।

मिट्टी का नमूना एकत्र करने की विधि :

जिस खेत/ग्रिड क्षेत्र से मृदा नमूना एकत्र करना है उसमें आठ से दस स्थानों पर 6x4x6 इंच (15 सेमी०) गहराई के गड्ढे की दीवार से लगभग 2.5 सेमी० पर्त, खुरपी की सहायता से ऊपर से नीचे की मिट्टी खोदकर एकत्रित कर लें।खेत के विभिन्न गड्ढों से प्राप्त मिट्टी को साफ कपड़े/बर्तन में डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब मिट्टी का ढेर बना लें तथा उसके चार भाग कर लें। आमने-सामने के दो भाग फेंक दें एवं दो भाग फिर अच्छी तरह से मिलायें। पुनः ढेर बनाकर उक्त प्रक्रिया को दोहरायें। यह प्रक्रिया तब तक करें जब मिट्टी आधा किलो रह जायें। मिट्टी साफ थैली में भर दें।अब दो लेबिल लें। उन पर कृषक का नाम, भू-स्थिति (अक्षांश एवं देशांतर) ग्राम का नाम, खेत की पहचान, खसरा सं०, आधार नम्बर, मोबाइल नम्बर, क्षेत्रफल, विकास खण्ड का नाम, तहसील का नाम, जनपद का नामआदि अवश्य लिख दें। एक लैबिल थैली के अन्दर एवं एक थैली के ऊपर बाँध दें। मृदा नमूना भेजते समय यह भी अंकित करना आवश्यक है कि खेत में कौन-सी फसल ली जानी है, ताकि उसी के अनुसार उर्वरक की संस्तुति की जा सकें।

नमूना लेते समय ध्यान देने योग्य बातें –

- ➢ खेत की मिट्टी की बनावट, ढाल, और उत्पादकता के आधार पर बांट लें ।
- ➢ पेड़ के नीचे से, सिंचाई नाली, खाद के गड्ढे से,खड़ी फसल आदि से मृदा नमूनें न लें।
- ➢ एक मृदा नमूना लेने हेतु एक ग्रिड के 8 से 10 स्थानों से मृदा लेकर एक में मिलाकर प्रतिनिधित्व मृदा नमूना तैयार करना चाहिए।
- ➢ यदि मिट्टी गीली हो तो उसे छाया में सुखाकर थैली में भरना चाहिए।
- ➢ इस प्रकार एकत्रित मृदा नमनों को यथाशीघ्र प्रयोगशाला में विश्लेषण हेतु भेज देना चाहिए।

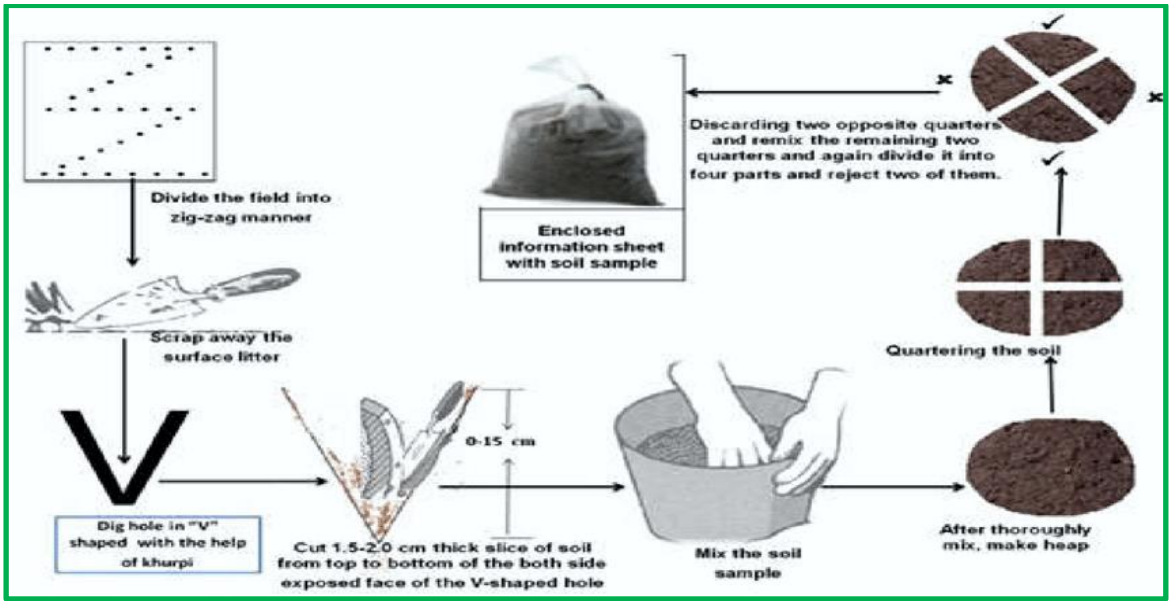

- मृदा नमूना लेते समय मृदा स्वास्थ्य कार्ड से सम्बन्धित चाही गयी समस्त सूचना यथा- कृषक का विवरण, भू–स्थिति (आक्षांश एवं देशान्तर) मोबाइल नं०, पता, खसरा नं०,आदि कॉलम पूर्ण रूप से अवश्य भरें जाये। कोई भी कॉलम रिक्त न छोड़ा जाये।